

सकल घरेलू जलवायु जोखमि रैंकगि

प्रलिमिंस के लयि:

सकल घरेलू जलवायु जोखमि रैंकगि, RCP8.5

मेन्स के लयि:

जलवायु जोखमि, अनुकूलन और शमन

चर्चा में क्यों?

क्रॉस डेपेंडेंसी इनशिएटिवि (Cross Dependency Initiative- XDI) की सकल घरेलू जलवायु जोखमि रैंकगि के अनुसार, भारत के 50 सबसे अधिक जोखमि वाले राज्यों में नौ राज्य- पंजाब, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, गुजरात, केरल और असम शामिल हैं।

- XDI एक वैश्विक संगठन है जो क्षेत्रों, बैंकों और कंपनियों हेतु जलवायु जोखमि विश्लेषण में विशेषज्ञता रखता है।

रिपोर्ट के संदर्भ में:

- सूचकांक में वर्ष 2050 तक दुनिया भर में 2,600 राज्यों और प्रांतों में इमारतों और संपत्तियों जैसे नरिमति परविश के 'भौतिक जलवायु जोखमि' का विश्लेषण किया गया है।
- सूचकांक ने प्रत्येक क्षेत्र हेतु समग्र क्षति अनुपात (Aggregated Damage Ratio- ADR) निर्दिष्ट किया है, जो वर्ष 2050 तक क्षेत्र में पर्यावरण को होने वाली क्षति की कुल मात्रा को दर्शाता है। उच्च ADR अधिक जोखमि को दर्शाता है।

प्रमुख बदि

- **भेद्यता (Vulnerabilities):**
 - 8 जलवायु आपदाओं के कारण उत्पन्न जोखमि: नदी और सतह की बाढ़, तटीय बाढ़, अत्यधिक गर्मी, वनाग्नि, मृदा संचलन (सूखा संबंधित), पवन तथा बर्फ का तेज़ी से पिघलना एवं जमना आदि सभी चरम मौसमी घटनाओं के उदाहरण हैं।
 - विश्व स्तर पर नरिमति बुनियादी ढाँचे को सबसे अधिक क्षति "नदी और सतह की बाढ़ या तटीय बाढ़ के साथ संयुक्त बाढ़" के कारण होती है।
- **वैश्विक नषिकर्ष:**
 - रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2050 तक अपने भौतिक बुनियादी ढाँचे हेतु उच्चतम जलवायु जोखमि का सामना करने वाले 50 प्रांतों में से अधिकांश (80%) चीन, अमेरिका और भारत में हैं।
 - चीन की दो सबसे बड़ी उप-राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाएँ जियांगसू और शेडोंग वैश्विक रैंकगि में शीर्ष पर हैं, इसके बाद अमेरिका का स्थान है जिसके 18 क्षेत्र शीर्ष 100 की सूची में हैं।
 - इस सूची में एशिया महाद्वीप के शीर्ष 200 क्षेत्रों में से 114 क्षेत्र हैं, जिसमेंपाकिस्तान, इंडोनेशिया और अधिकांश दक्षिण-पूर्व एशियाई देश शामिल हैं।
 - वर्ष 2022 में वनिाशकारी बाढ़ ने पाकिस्तान के 30% क्षेत्र को प्रभावित किया और सधि प्रांत में 9 लाख से अधिक घरों को आंशिक या पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया।
- **भारत विशिष्ट नषिकर्ष:**
 - **प्रतनिधि संकेंद्रण मार्ग (Representative Concentration Pathway- RCP) 8.5** जैसे उच्च उत्सर्जन परदृश्यों के तहत उच्च जोखमि वाले प्रांतों में वर्ष 2050 तक क्षतिकारक जोखमि में औसतन 110% की वृद्धि देखी जाएगी।
 - वर्तमान में तापमान में 0.8 डिग्री की वृद्धि के साथ भारत के 27 राज्य और इसके तीन-चौथाई से अधिक ज़िले चरम घटनाओं के केंद्र हैं, जो सकल घरेलू उत्पाद में 5% की हानि हेतु ज़िम्मेदार हैं।
 - यदि ग्लोबल वार्मिंग 2-डिग्री तापमान की सीमा/थ्रेशोल्ड तक सीमति नहीं रही, तो भारत के जलवायु-संवेदनशील राज्यों के सकल राज्य

- (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

- ग्रीन इंडिया के लिये राष्ट्रीय मशिन, जिसे ग्रीन इंडिया मशिन (GIM) के रूप में भी जाना जाता है, जलवायु परिवर्तन पर भारत की राष्ट्रीय कार्ययोजना के तहत उल्लिखित आठ मशिनों में से एक है। इसे फरवरी 2014 में लॉन्च किया गया था।
- 5 मिलियन हेक्टेयर की सीमा तक वन/वृक्ष आच्छादन में वृद्धि करना और अन्य 5 मिलियन हेक्टेयर वन/गैर-वन भूमि पर वन/वृक्ष आच्छादन की गुणवत्ता में सुधार करना। मौजूद विभिन्न वन प्रकारों एवं पारिस्थितिक तंत्रों (जैसे, आर्द्रभूमि, घास का मैदान, घने जंगल आदि) के लिये अलग-अलग उप-लक्ष्य निर्धारित करना। **अतः कथन 3 सही है।**

प्रश्न. वैज्ञानिक दृष्टिकोण यह है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि पूर्व औद्योगिक स्तर से 2 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं होनी चाहिये। यदि वैश्विक तापमान पूर्व औद्योगिक स्तर से 3 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ जाता है, तो विश्व पर इसका संभावित प्रभाव क्या हो सकता है? (2014)

1. स्थलीय जीवमंडल शुद्ध कार्बन स्रोत की ओर उन्मुख होंगे।
2. व्यापक प्रवाल मृत्यु दर घटती होगी।
3. सभी वैश्विक आर्द्रभूमियाँ स्थायी रूप से लुप्त हो जाएंगी।
4. विश्व में कहीं भी अनाज की खेती संभव नहीं होगी।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. भारत के वन संसाधनों की स्थिति और जलवायु परिवर्तन पर इसके परिणामी प्रभाव की जाँच कीजिये। (2020)

प्रश्न. "विभिन्न प्रतस्पर्धी क्षेत्रों और हतिधारकों के बीच नीतित्त वसिधाभासों के परिणामस्वरूप पर्यावरण के अपर्याप्त 'संरक्षण एवं गतिवट की रोकथाम' हुई है।" प्रासंगिक दृष्टांतों के साथ टपिणी कीजिये। (2018)

स्रोत: द हट्टि